iimpulse

January to March 2020

Quarterly Newsletter

iimpact
Making a difference

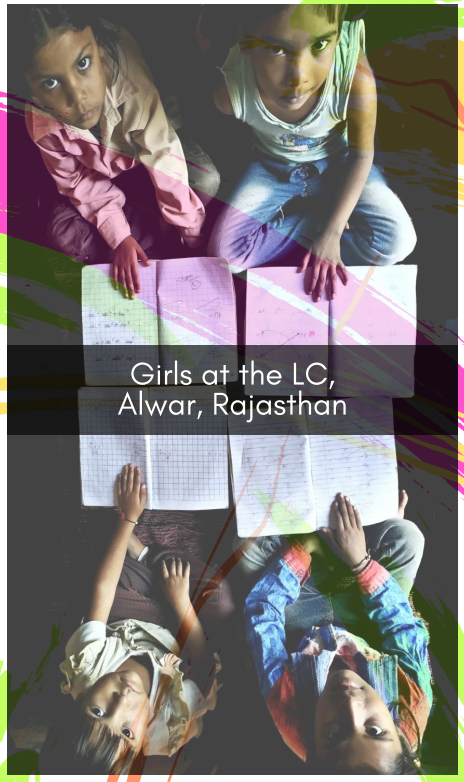
Girls at the LC, Alwar, Rajasthan

about us.....01
events.....02
trainings.....03
media coverage.....04
case studies.....05
pictures from the field.07

about us

IIMPACT was started by the IIM-Ahmedabad alumni batch of 1978. Under its Girl Child Education Program, the organisaiton identifies out-of-school/ irregular/ dropout girls in rural villages of India and provides them with quality primary education. The IIMPACT Learning Centre model establishes single-teacher led single-classrooms as centres imparting primary-level education using a Multi Grade Multi Level approach. The organisation started with just 450 girls and 15 Learning Centres in 2003. Today it works towards the education of nearly 61,000 girls in 2000 centres across 11 states.

Number of girls in IIMPACT's programme over the 17 years

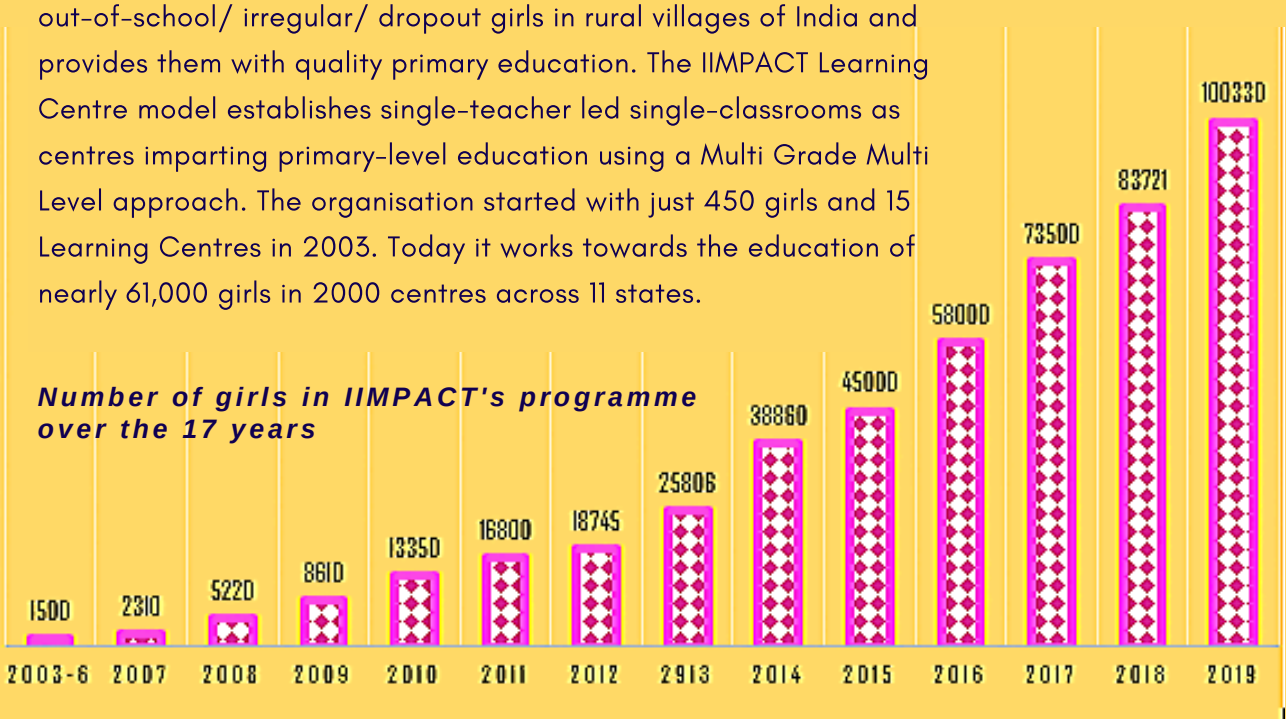

events

January 2020

National Girl Child Day on 24th January 2020 was celebrated to spread awareness about the importance of education for girls. To do this the students conducted rallies in their communities.

Republic Day on 26th January 2020 was celebrated along with the communities in the villages. Stories were shared about the history of the nation and the freedom struggle through enactments, singing and dancing.

February 2020

National Science Day on 28th February 2020 was celebrated at the Learning Centres to delve deeper into science and enjoy the science around in the nature. Girls made models, charts and did simple experiments.

March 2020

International Women's Day on 8th March 2020 was celebrated to spread awareness on the need to empower women and introduce gender equality in the communities through rallies, performances and activities.

Republic Day
Kishanganj, Bihar

National Girl Child Day
Kheri, Uttar Pradesh

National Science Day
Hardwar, Uttarakhand

International Women's Day
Khargone, Madhya Pradesh

Republic Day
Uttarkashi, Uttarakhand

National Girl Child Day
Mewat, Haryana

Quarterly Teacher Training
Shahjahanpur, Uttar Pradesh

Direct Teacher Training (Agastya)
Sheopur, Madhya Pradesh

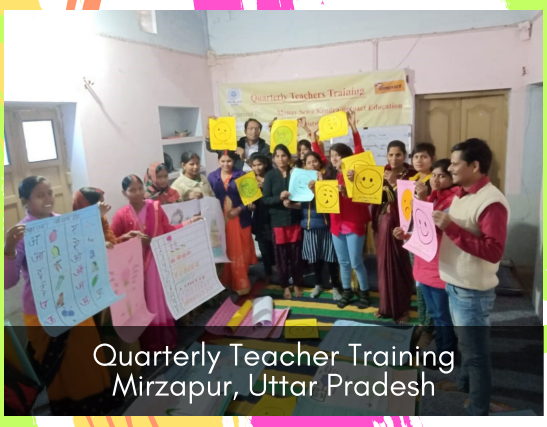
Quarterly Teacher Training
Mirzapur, Uttar Pradesh

MGML Training
Tehri Garhwal, Uttarakhand

trainings

Training of Trainers (TOT):
TOTs are conducted by academic initiatives partners with IIMPACT trainers who then go to the field locations and train the teachers. In Q4, 1 TOT was conducted by Agastya Foundation.

Multi Grade Multi Level (MGML) Trainings:
All Learning Centres are Multi Grade Multi Level classrooms (a classroom that has two or more grade levels of children studying together). 15 MGML Trainings were conducted across many field locations in Q4.

Quarterly Teacher Trainings (QTT):
QTTs are conducted every quarter, to bridge and strengthen the knowledge base of teachers. In Q4 IIMPACT conducted 64 batches of 5-day trainings.

Direct Teacher Trainings (DTT):
DTT workshops are conducted by external trainers or IIMPACT trainers directly with our teachers. 4 DTTs were conducted across the field locations in Q4. 2 Jodo Gyan Trainings in Pakur, Jharkhand and 2 Agastya Foundation Trainings in Pakur, Jharkhand and Sheopur, Madhya Pradesh.

media coverage

इंपैक्ट के सहयोग से खोले गए शिक्षा केंद्रों का शुभारम्भ

नि:शुल्क शिक्षा केन्द्र का कुंता अग्रवाल ने फीता काटकर किया उद्घाटन

40 गांवों में बालिका शिक्षा केंद्रों का हुआ उद्घाटन

2nd February 2020 Uttar Pradesh

13th January 2020 Media coverage received for a Quarterly Teacher Training (QTT) in Kanpur Nagar and Kanpur Dehat, Uttar Pradesh. Featured in Dainik Jagran, Janadesh Times, and Jansandesh Times.

26th January 2020 IIMPACT celebrations for National Girl Child Day also known as Balika Diwas (24th January), were featured on Amar Ujala at Kheri, Uttar Pradesh.

2nd February 2020 News of new IIMPACT Learning Centres in Uttar Pradesh had been shared with everyone through features in Amar Ujala, JannAdesh, Rashtriya Sahara and Dainik Jagran.

6th February 2020 News of QTT held in Railmagra, Udaipur was featured on two news forums, the Dainik Bhasker and Seedha Sawal.

4th March 2020 Amar Ujala and Rashtriya Sahara publish news on the Foundation Level Training conducted in Kheri, Uttar Pradesh.

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बालिकाओं को किया जागरूक

पलिया के फुलवरिया में आयोजित कार्यक्रम में बोलते अतिथि। संवाद

पलियाकलां। उत्तर प्रदेश बनवासी सेवा संस्थान ने बालिका दिवस को लेकर इन्डस टॉवर के सहयोग से संचालित बालिका शिक्षा केंद्र थारूपुरवा एवं फुलवरिया में बालिकाओं को जागरूक किया और शिक्षित होने के फायदे भी गिनाए।

थारूपुरवा व फुलवरिया में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इंपेक्ट के प्रशिक्षक सुरेगद्र मिश्रा ने बताया कि 24 जनवरी को इंदिरा गांधी पहली बार भारत की प्रधानमंत्री बनीं थीं तब से राष्ट्रीय स्तर पर बालिकाओं के विकास को लेकर नेशनल गर्ल चाइल्ड डे की शुरुआत की गई। जिसका उद्देश्य लोगों को बालिकाओं के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि इंपेक्ट की तरफ से क्षेत्र में 40 नए बालिका शिक्षा केंद्रों की उत्तर प्रदेश बनवासी सेवा संस्थान के साथ मिलकर शुरुआत करने की योजना बनाई जा रही है। इस दौरान बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए। इस मौके पर राजेश रस्तोगी, सगीर अहमद, रूबिना खातून, शिवानी राना, हीरालाल सहित कई लोग मौजूद रहे। **संवाद**

युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलना चाहिए: महेश अवस्थी

अनुदेशिकाओं को दी शिक्षा की जानकारी

13th January 2020 Kanpur Dehat, Uttar Pradesh

शिक्षा देकर बालिकाओं को दें सुरक्षा व सम्मान

दैनिक भास्कर

चार दर्जन शिक्षकों को किया प्रशिक्षित

बैठक में मौजूद शिक्षिकाएं।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

पलियाकलां-खीरी (एसएनबी)। पूज्य ठक्कर बापा सेवा आश्रम पलिया के उत्तर प्रदेश बनवासी सेवा संस्थान द्वारा इंपैक्ट संस्था गुड़गांव के सहयोग से इंडस टावर एवं टाइटन कंपनी द्वारा समर्थित बालिका शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था प्रमुख अजय कुमार चौबे एवं कार्यक्रम प्रबंधक रवि प्रकाश सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर की। उन्होंने सभी शिक्षिकाओं को शिक्षा का महत्व एवं कार्यक्रम की जानकारी दी। प्रशिक्षण प्रबंधक आशिमा उपाध्याय ने सभी शिक्षिकाओं को बताया कि इंपैक्ट पूरे भारत में 11 राज्यों में लगभग 2071 गांवों में बालिकाओं को शिक्षा प्रदान करने का कार्य कर रहा है। कार्यक्रम अधिकारी आस्कर अली ने बताया कि शिक्षा जीवन का मूलभूत अंग है। शिक्षा बिना जीवन अधूरा है स यह कार्यक्रम शहर से दूर उन गांवों में चलाया जा रहा है, जहां पर बालिकाएं शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पीछे हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 1 से 5 तक 20 स्तर के माध्यमों से पढ़ाया जाता है और हर 3 महीने के बाद शिक्षिकाओं का प्रशिक्षण कराया जाता है। साथ ही बच्चों को खेल खेल के माध्यम से पढ़ना सिखाया जाता है। इस अवसर पर पलियाकलां ब्लाक से 40 शिक्षिकाओं, 4 पर्यविक्षक, कार्यक्रम समन्वयक रश्मि, राजेश रस्तोगी, एवं इंपैक्ट की ओर से प्रशांत, सुरेंद्र, फरहान एवं हिमांशु आदि ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया।

मैलानी-नानपारा रेल संचालन को लेकर बच्चों ने पीएम को लिखी चिट्ठी

पलियाकलां-खीरी (एसएनबी)। मैलानी-नानपारा रेल प्रखंड बंद होने पर रोष प्रकट करते हुए स्थानीय तेज महेन्द्रा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के बच्चों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पोस्ट कार्ड भेजकर ट्रेन संचालन की अपील की। सरस्वती विद्या मंदिर के वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में लगभग 150 बच्चों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पोस्ट कार्ड लिखकर डाकघर के माध्यम से उन्हें भेजा। इस अवसर पर आरएसएस कार्यकर्ता आनन्द शाह भी मौजूद रहे।

4th March 2020,
Kheri, Uttar Pradesh

पलिया ब्लॉक में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली शिक्षिकाओं के साथ अन्य। संवाद

प्रशिक्षण के दौरान शिक्षिकाओं को बताया शिक्षा का महत्व

पलियाकलां। उत्तर प्रदेश बनवासी सेवा संस्थान की ओर से इंपैक्ट संस्था के सहयोग से बालिका शिक्षा कार्यक्रम के तहत शिक्षिकाओं को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें शिक्षिकाओं को शिक्षा के महत्व को बताने के साथ ही बच्चों को किस तरीके से पढ़ाना है इसके बारे में भी बताया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत बनवासी सेवा संस्थान के प्रमुख अजय कुमार चौबे व कार्यक्रम प्रबंधक रवि प्रकाश सिंह ने दीप जलाकर की। प्रशिक्षण प्रबंधक आशिमा उपाध्याय ने बताया कि इंपैक्ट पूरे भारत में लगभग 2071 गांव में बालिकाओं को शिक्षा प्रदान करने का कार्य कर रहा है। आसकर अली ने बताया कि यह कार्यक्रम शहर से दूर उन गांवों में चलाया जा रहा है जहां बालिकाएं शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पीछे हैं। इस दौरान समन्वयक रश्मि, राजेश रस्तोगी, प्रशांत, सुरेंद्र समेत ब्लॉक क्षेत्र की 40 अध्यापिकाएं मौजूद रहीं।

पसगवां। बीआरसी में एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षक कार्यक्रम (निष्ठा) के तीसरे बैच का पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस दौरान प्रशिक्षार्थियों को बीईओ शमशेर सिंह राना ने प्रमाणपत्र प्रदान किए। सतेंद्र कुमार सिंह, अजय पाल, नागेंद्र सिंह आदि ने प्रशिक्षण दिया। **संवाद**

case studies

a girl child in Uttarkashi, Uttarakhand

Anjali goes to an IIMPACT Learning Centre in Baun village. She lives in a house with her parents, two sisters and a brother. Being the youngest, she was never motivated to study much. However, since both her sisters have medical eye-conditions, her parents are hopeful for Anjali's good education. Her parents sent her to school, yet she has never shown any progress in studies. According to her age she had been promoted to Class 5 and that's when she joined the IIMPACT Learning Centre. She enjoys her studies at the centre a lot. Earlier she was not very regular, but now she eagerly visits the centre punctually every day. At home, she has many duties as part of the household chores which keep her busy throughout the day. When she visits the centre she is able to engage in games and activities that build more skills in her.

Anjali doing farm work, Uttarkashi, Uttarakhand

a teacher in Banswara, Rajasthan

Usha teaches at the IIMPACT Learning Centre in Itala village in Banswara. She joined IIMPACT 3 months ago and has shown much potential. This is her first time being a teacher, before which she was working in a rural livelihood project elsewhere. When she joined the centre, her interest in education started increasing. She learnt a lot from the trainings given. When she had joined, it was difficult for her to talk to the community members about the education of their girls since she didn't know what to say and how to convince them. However, through the trainings her own knowledge and motivation has increased. She is now able to engage with them. The income that she receives at IIMPACT has also helped her in getting financial independence.

Usha at the LC, Banswara, Rajasthan

pictures from the field

Netaji Subhash Chandra Jayanti,
Mewat, Haryana

Quarterly Teacher Training,
Kandhamal, Odisha

Republic Day Event,
Raigarh, Chhattisgarh

MIS Training,
Hardoi, Uttar Pradesh

Donor visit- Cholayil,
Bhagwanpur, Uttarakhand

Donor visit- BIC Cello,
Dehradun, Uttarakhand

PNGO Capacity Building Training,
Jharkhand and West Bengal